

Lucknow-Gauhati section of the North Eastern Railway;

(b) If so, when the proposal is to be materialised; and

(c) If not, the reasons therefor?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Sham Nath):  
(a) No.

(b) Does not arise.

(c) The traffic density does not justify electrification.

### पूर्वोत्तर रेलवे में रेल सुविधायें

1468. डा० महादेव प्रसाद : क्या रेलवे मंत्री 11 फरवरी 1964 के प्रतारंकित प्रश्न संख्या 29 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अप्रैल 1964 के बाद पूर्वोत्तर रेलवे के धानन्द नगर मौतनवा सैक्शन पर क्या क्या अतिरिक्त रेल-सुविधायें दी गईं; और

(ख) क्या पूर्वोत्तर रेलवे पर अभी तक ऐसे स्टेशन हैं जहाँ पर तीसरे दर्जे के प्रतीक्षा-गृह नहीं हैं और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभा सिंह) : (क) धानन्द नगर और पुरन्दरपुर स्टेशनों के बीच लोक विद्या-पीठ नगर नामक एक नया हाइट स्टेशन खोलने के साथ साथ धानन्द नगर के माल गोदाम में नल की व्यवस्था अप्रैल 1964 से ही कर दी गयी है ।

(ख) पूर्वोत्तर रेलवे के धानन्द नगर मौतनवा खण्ड के प्रत्येक स्टेशन पर तीसरे दर्जे के यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय और पीने के पानी की सुविधाओं की व्यवस्था है ।

### गोरखपुर स्टेशन के प्लेटफार्म

1469. डा० महादेव प्रसाद : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में प्लेटफार्म न होने के कारण रेलगाड़ियों को गत कई वर्षों से बाहरी सिगनल पर ही प्रयत्न करने पड़ रहा है ; और

(ख) यदि हाँ, तो इस मामले में क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभा सिंह) : (क) जी नहीं ।

(ख) सवाल ही नहीं उठता ।

### Shortage of Wagons in Gujarat

1470 { Shri Jashvant Mehta:  
Shri Solanki:  
Shri P. K. Deo:  
Shri Narasimha Reddy:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that trade is experiencing great difficulty in getting wagons in the Western Zone in Gujarat region for the movement of cotton, cotton seeds, china-clay, oil and salt from April, 1965; and

(b) the steps Government have taken to remove the difficulties?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): (a) and (b). From April, 1965 onwards there was heavy movement of imported foodgrains and fertilizers from Kandla and the other two ports in Gujarat, namely, Bhavnagar and Navlakhi due to the bunching of ships as a result of the Longshoremen's strike in U.S.A. During the period April to July, 1965 at Kandla, Bhavnagar and Navlakhi on an average a total of about 334 wagons of foodgrains and fertilizers were loaded daily as against 190